

1. मनुष्य यदि हिमसा से काम ले तो क्या हो सकता है ?

→ मनुष्य हिमसा से काम ले तो इस श्रुतिकी भांगना कर सका है। और आगे बढ़ सका है।

2. आप अपने भाता-पिता की कौसी संतान धनना चाहेंगी ?

→ हम अपने भाता-पिता की कौसी संतान धनना चाहेंगी उसकी आशा का पालन करें, सेवा करें और भाता-पिता की खुशी में ही अपनी खुशी संगरी।

प्रश्न: 2 निम्नालिखित शब्दों को उचित क्रम में रखकर अर्थपूर्ण वाक्य बनाकर लिखिए।

1. कसरत, शारिरीक, करनी, स्वास्थ्य, चाहिए, लिए

→ स्वास्थ्य के लिए शारिरीक कसरत करनी चाहिए।

2. अच्छी, लड़का, तरकारी, बापार, भाया, से।

→ लड़का बापार से अच्छी तरकारी भाया।

3. जानवर, किसी, को, भी, मारना, है, अनुचित

→ किसी भी जानवर को मारना अनुचित है।

4. बापार, काम, भाग, में, है, मिमो।

→ बापार में भाग काम मिमो है।

5. पढ़ने, काकी, वेदांग, है, तैय, में।

→ वेदांग पढ़ने में काकी तैय है।

प्रश्न: 3 निम्नालिखित परिच्छेद का भावार्थ में अनुवाद कीजिए।

भारत पिता हमारी सेनाओं सिपाई हता, तैमलै हिली सेवा मदि तैम प्राल गुभावी दीदा. यहाँ तैमना मरणा के वर्ष पुरा थदा. यत्थारे भारा धरे भारा हमी अपने इ हमी के न रहिये छीये. यत्थारे ताल मदिना

भी खमने वंगेने वेट लरीने खण मणवु मुइले वणी
 गयु छै. आ संसार मां मनुव वधु क सइण डरी ले छै.
 परंतु वेटनी लुप सइण डरी राखता गयी, हुं अ पिछार मां
 वेटनी इतो के अइ सौनिडे आविने मने कइयु डे भै पुं
 शिवाभुनी वध डरी है तो इ तने नैसा आपीश, मशरफ,
 आ लालच मां घडीने हुं तमारी इत्या डरवा अपी
 आव्यो इतो. परंतु ते क समथे तमारी आप्य जुल्मी
 गछै.

पृष्ठ 4

पामनपुर नामक एक गाँव था। उस गाँव के पास एक
 जंगल था। एक दिन गाँव में बच्चे पामनपुर खेल रहे थे।
 और बड़े अपना काम कर रहे थे। तभी जंगल में से
 एक शेर गाँव में आ पहुँचा। उसका चेत भरा हुआ था।
 शेर ने किसीको नुकसान नहीं किया और बच्चों को
 खेलते हुए देखने लगा।

और सिंह को देखकर सभी बच्चे डर
 गाँगे और मैदान छोड़कर इधर-उधर भागने लगे। और
 प्योर-प्योर से चिल्लाते लगे। बड़े भी अपना काम
 छोड़कर उधर-उधर भागने लगे। तब सिंह शेर लोगों को
 भागते हुए देखकर उसी जंगल खड़ा रह गया। तभी एक
 बच्चे की हाँक पत्थर में फँस गई। और वह
 शेर देखकर वहाँ उस बच्चे की रक्षा रख रखवाती
 करने लगा। और उस बच्चे को नुकसान न पहुँचाकर
 उस बच्चे को सामाना रखा।

उस तरह इस कहानीसे पता चलता
 है की प्याणवर की मनुव की मुश्किली और त्रैम
 को समझ सकता है।

पृष्ठ 5 आप अपने मित्र को "बिमारी में सावधानी का भाव
 समझाते हुए पत्र लिखिए।

25, आशासदन,
 महात्मा गाँधी मार्ग,
 रायपुर।

28-11-2022

आदर्शपीठ गुरुवर,

फडवा कटव)

भैरै मित्र को भैरै स विभारी में सावधान
रहने की बहुत सलाह और सुचन देता हूँ। वह अपना
विभक्त्युक्त स्वभाव गरी रखता। तो मैं उसको अपने
स्वास्थ्य की पूरी जाँच करने को कहता हूँ।

कोरोना का भयानक विभारी है। और
उसमें लोगों को लोगों से दूर रहना चाहिए क्योंकि
कोरोना लोगों को छुने से फैलता है। और इसे
डिफेंडर की सलाह का सुचन करना चाहिए। और
अपने स्वास्थ्य का स्वभाव रखना चाहिए।

आपका आशाकारी मित्र;

भइयात्म शंकरिया।

फडवा कटव)